भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

31वें वार्षिक दिवस

पर अध्यक्ष का संदेश

प्रिय साथियों,

31वें भाविप्रा वार्षिक दिवस के अवसर पर, मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ कि आप उस समूह के अभिन्न सदस्य हैं, जो तीन दशकों से भी अधिक समय से भारतीय विमानन के भविष्य को दिशा दे रहा है और भारत के उत्थान में अपना योगदान दे रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का नागर विमानन क्षेत्र का उल्लेखनीय गति से विस्तार जारी है, जिससे यह विश्व स्तर पर अग्रणी विमानन बाजारों में शुमार हो गया है। यह विकास, प्रगतिशील नीतिगत पहलों और क्षेत्रीय संपर्कता को बढ़ाने पर दिए गए विशेष बल पर आधारित है। देश में सबसे बड़े विमानपत्तन प्रचालक और वायु दिक्चालन सेवाओं का एकमात्र प्रदाता होने के नाते, भाविप्रा मजबूत हवाई अड्डा अवसंरचना के विकास और वायु दिक्चालन प्रणालियों के आधुनिकीकरण के माध्यम से इस परिवर्तन का समर्थन करने में निर्णायक भूमिका निभाता है, ताकि सुरक्षित, निर्बाध और कुशल हवाई यात्रा सुनिश्चित की जा सके।

अपने लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दिखाते हुए, भाविप्रा ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ 2024-25 के समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत 93.21 के स्कोर के साथ 'उत्कृष्ट' (Excellent) रेटिंग हासिल की है। यह उपलब्धि प्रचालन उत्कृष्टता, सेवा वितरण और अपने विविध पोर्टफोलियो में रणनीतिक पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन पर संगठन के निरंतर फोकस को दर्शाती है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान, भारत सरकार ने देश के विभिन्न राज्यों में नए हवाई अड्डों को चालू करने, नए टर्मिनल भवनों के निर्माण और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं सहित अनेक परियोजनाएं शुरू की हैं। विमानन क्षेत्र में बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, पटना, दतिया, सतना, तूतीकोरिन, पूर्णिया और हलवारा में नए टर्मिनल भवन राष्ट्र को समर्पित किए गए। इसके साथ ही, बिहटा और कोटा-बूंदी में नए सिविल एन्क्लेव और नए ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के विकास के लिए आधारशिला भी रखी गई।

उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ, भाविप्रा में हम हवाई अड्डों पर मिलने वाली सुविधाओं को बेहतर बनाने और उनका विस्तार करने, टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करने और प्रचालन दक्षता में सुधार लाने की दिशा में बड़े पैमाने पर निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा, भाविप्रा ने वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक के लिए ₹25,000 करोड़ का पूंजीगत व्यय (Capex) निर्धारित किया है, जिसका उद्देश्य आने वाले वर्षों में अपेक्षित मांग को पूरा करना है।

मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि क्षमता वृद्धि और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए कई प्रमुख अवसंरचनात्मक परियोजनाएं वर्तमान में प्रगति पर हैं। धोलेरा, जम्मू, विजयवाड़ा, जोधपुर, राजमुंदरी, बेलगावी, हुबली, कडप्पा , दरभंगा और आगरा के हवाई अड्डों में नए टर्मिनल भवन, मौजूदा अवसंरचना के विस्तार और एयरसाइड सुविधाओं के आधुनिकीकरण सहित महत्वपूर्ण विकास हो रहा है। इन पहलों का मकसद यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करना और एक निर्बाध और कुशल यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है।

यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना हमेशा से ही हमारा मुख्य फोकस रहा है। इस वर्ष, भाविप्रा ने सुविधा और समावेशिता में सुधार के उद्देश्य से कई यात्री-केंद्रित पहल शुरू की हैं। 'डिजी यात्रा', जो अब भाविप्रा के 24 हवाई अड्डों पर चालू है, फेशियल रिकग्निशन टेक्नोलॉजी की मदद से बिना किसी रुकावट और बिना किसी संपर्क के यात्रा की सुविधा देती है, जिससे प्रोसेसिंग का समय काफी कम हो गया है। 'अवसर' (AVSAR), 'फ्लाईब्रेरी', मुफ़्त वाई-फाई सेवाएँ और बच्चों के लिए खास तौर पर बनाए गए प्ले ज़ोन जैसी पहलें यात्रियों के लिए आराम और सुगम्यता को और भी बेहतर बना रही हैं। इसके अलावा, भाविप्रा के 16 हवाई अड्डों पर 'उड़ान यात्री कैफ़े' शुरू किए जाने से, किफ़ायती और स्वच्छ भोजन के विकल्प आसानी से उपलब्ध हो पाते हैं, जिससे हवाई यात्रा समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए ज़्यादा सुलभ और समावेशी बन जाती है।

सरकार के स्वच्छ और हरित भविष्य के विज़न के अनुरूप, भाविप्रा अपने हवाई अड्डों को पर्यावरण के अनुकूल संधारणीय केंद्रों में बदलने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। आज, 'सस्टेनेबल ग्रीन एयरपोर्ट्स मिशन' (SUGAM) के तहत भाविप्रा के 94 हवाई अड्डे 100% हरित ऊर्जा पर चल रहे हैं। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के सहयोग से इलेक्ट्रिक वाहनों को शामिल करने से ईवी (EV) अपनाने में भी काफी वृद्धि हुई है, जिससे अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के प्रति भाविप्रा की प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है। इसके अलावा, 'फ्लेक्सिबल यूज़ ऑफ़ एयरस्पेस' (FUA) को लागू करने से लगभग ₹1,230 करोड़ के ईंधन की बचत हुई है और CO_2 उत्सर्जन में लगभग 3,87,509 टन की कमी आई है, जिससे प्रचालन दक्षता और पर्यावरण संरक्षण दोनों में योगदान मिला है।

यह मानते हुए कि सतत विकास के लिए मानव संसाधन बुनियादी महत्व रखता है, भाविप्रा प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में लगातार निवेश कर रहा है। सिविल एविएशन ट्रेनिंग कॉलेज (CATC) ने एटीसीओ (ATCOs), सीएनएस (CNS) इंजीनियरों, एआईएस (AIS) कर्मियों और अन्य विमानन पेशेवरों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे वायु दिक्चालन सेवाओं में कुशल मानव संसाधन को मजबूती मिली है। इसके अलावा, अगले पाँच वर्षों में 115 से अधिक पेशेवरों के लिए एएमपीएपी (AMPAP) प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करने हेतु एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (ACI)के साथ भाविप्रा की साझेदारी, संधारणीयता, सुरक्षा, समुत्थानशीलता और नवाचार जैसे क्षेत्रों में वैश्विक दक्षताएँ विकसित करने में सहायक होगी।

तकनीकी मोर्चे पर, भाविप्रा अपने सभी प्रचालनों में डिजिटल परिवर्तन ला रहा है। हाल ही में लॉन्च किया गया 'इंटीग्रेटेड डिजिटल मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म', जो बीआईएम (BIM)-आधारित प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग सिस्टम पर आधारित है, प्रोजेक्ट की रियल-टाइम ट्रैकिंग, बेहतर तालमेल और डेटा-आधारित फैसले लेने में मदद करता है। इसके अलावा, भाविप्रा ₹ 15, 000 करोड़ के निवेश के साथ वायु दिक्चालन सेवाओं का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण कर रहा है। इसमें उन्नत सीएनएस/एटीएम सिस्टम की तैनाती, डिजिटल टावर और अपग्रेड किए गए एटीसी इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं, जिससे बेहतरीन वैश्विक तरीकों के अनुरूप सुरक्षा, कार्यक्षमता और सेवा वितरण में सुधार हो रहा है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, भाविप्रा नवाचार, संधारणीयता और उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकास की इस गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य के अनुरूप एक स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ, मैं अपने सभी कर्मचारियों और हितधारकों के अटूट समर्पण और सहयोग के लिए अपनी हार्दिक सराहना व्यक्त करता हूँ। आइए, हम सब मिलकर इस गति को आगे बढ़ाएं और उत्कृष्टता तथा नवाचार की अपनी यात्रा को जारी रखें।

जय हिंद!

विपिन कुमार

विपिन कुमार
अध्यक्ष, भा.वि.प्रा.